

VISION IAS

www.visionias.in

13 SEP 2019

GENERAL STUDIES (TEST CODE: 1249)

Name of Candidate	Bhanu Pratap Singh		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	635609
Center	MN, Delhi	Date	13-09-19

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

- Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
- There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI** इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
- All questions are compulsory.**
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
- The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
- Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
- Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
- Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar
Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

SECTION - A

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. (a) What do you understand by cultural sensitivity? Identify the ways in which individuals and organisations can benefit from cultural sensitivity in India. (10)

आप सांस्कृतिक संवेदनशीलता से क्या समझते हैं? उन रीतियों की पहचान कीजिए जिनसे भारत में व्यक्ति और संगठन सांस्कृतिक संवेदनशीलता से लाभान्वित हो सकते हैं।

भारत जैसे बहुलानावादी एवं
बहु-सांस्कृतिक समाज में सांस्कृतिक
संवेदनशीलता वर्तमान समाज की आवश्यकता
है।

सांस्कृतिक संवेदनशीलता अपने
से भिन्न धर्म, भाषा, लिंग, पहनावे
इत्यादि वाले व्यक्तियों के प्रति ऐसी व्यवहार
से है जो उनके प्रति सम्मान प्रकट
करता हो। उदा० - पुरुष का महिलाओं की
समस्याओं के प्रति संवेदनशील होना, एक धर्मी
के धर्मविरुद्धी का इससे धर्मविरुद्धी के प्रति
सम्मानपूर्वक व्यवहार।

वे रीतियाँ जो भारत में व्यक्ति
तथा संगठन को सांस्कृतिक संवेदनशीलता
से लाभान्वित कर सकते हैं निम्नलिखित हैं:-

- भूमिका परिवर्तन (Role Playmy) - पुरुष का एक दिन महिला, एक धर्म का दूसरे धर्म वाले का जीवन जीना।
- आतिथ्य से परिवर्तन हेतु पुरुष का प्रयोग
- सांवादात्मक स्तर पर सभी लिंगों, धर्मों वाले व्यक्तियों को स्वागत देना।
- बच्चों में online games के माध्यम से सांवादात्मक सांवेदशीलता संबंधी खेल खेलने का अवसर देना।
- अच्छी फिल्में (यथा - Aat 15), कॉमिक्स, सांवादात्मक की रीलिंग।

अतः वर्तमान में सांवादात्मक, लैंगिक समानता, राष्ट्र - निर्माण इत्यादि हेतु सांवादात्मक सांवेदशीलता एक महत्वपूर्ण पहलू है।

1. (b) In the quest for scientific and technological development, ethical values should not be neglected. Discuss in the current context. (10)

वैज्ञानिक और तकनीकी विकास की तलाश में, नैतिक मूल्यों की उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए।
वर्तमान संदर्भ में चर्चा कीजिए।

मार्गदर्शक लक्ष्य के माध्यम से
कि यह प्रमुख ने आकाश की अलखीन
की भाँति तब विकास किया है परंतु वर्तमान
ने नैतिक पिछड़ापन प्रमुख की कठमे
बड़ी समस्या है।^{११}

⇒ सामाजिक नीति के तहत में होलिंग,
फिशिंग, हेकिंग जैसे अनैतिक मानवों
को समाप्त करना होगा।

⇒ आज हमारे सामाजिक नीति पर
हमारे लिए है लेकिन पर है जोड़ -
जोड़ के बाल नहीं करता। यह
भावनाओं का केंद्र है।

⇒ इसके अलावा चतुर्थ औद्योगिक क्रांति

एवं इंटरनेट के युग में 'विवेक का अंधेरा'
नवीन नैतिक चुनौती है। गांधीजी
विवेकीय विज्ञान को पाप कहते हैं।

⇒ भीड़ हिंसा, आतंकवाद, पर्यावरण
प्रदूषण इत्यादि तकनीक एवं अर्थ
विकास जनित समस्याओं के मूल
में परिवर्तनीय मूल्यों, सौम्य नैतिक
हस्तक्षेप तथा अंधाधुन्य का अभाव है।

अतः नैतिक मूल्यों की स्थापना
एवं उद्द्योगिक वर्तमान तकनीकी
युग का आधार है। एक हेतु परिवार
समाज, शैक्षणिक समस्याओं द्वारा
मूल्य आधारित की आवश्यकता
वर्तमान समाज की जाग है।

2. (a) In a plural society like India, education should help the individual to celebrate the plurality and visualize the inherent unity of cultures and values. Analyze the statement in the present context with examples. (10)

भारत जैसे एक बहुलवादी समाज में, बहुलता की प्रशंसा करने एवं संस्कृतियों व मूल्यों की अंतर्निहित एकता का दिग्दर्शन करने में शिक्षा को व्यक्ति की सहायता करनी चाहिए। उदाहरण सहित वर्तमान संदर्भ में इस कथन का विश्लेषण कीजिए।

6 विविधता में एकता का आदर्श
संस्कृति का आधार रहा है। इस हेतु
शिक्षा एक महत्वपूर्ण उपकरण है।

इस संदर्भ में गैलमन मैडिला
का कथन है कि "66 शिक्षा ऐसा
शक्तिशाली हथियार है जिससे विश्व को
बदला जा सकता है।" वर्तमान में
बहुलतावादी एवं बहुसांस्कृतिक समाज
में बदलाव एवं मूल्यों की स्थापना
का महत्वपूर्ण स्तंभ है।

शिक्षा की मदद मुख्य में
धार्मिक अंतर्द्वन्द्वशीलता, पूर्वाग्रहों का
त्याग इत्यादि विकसित किया जा सकता
है। यह नवोदय विभिन्न धर्म, भाषा

लिंग के प्रति समतावादी दृष्टिकोण
विकसित करने में कामगार है।

कौटुंबिक शिक्षा, जो इस मापदण्ड
इलाके के शूल में शिक्षा दी है।

इकीलिरा शिक्षा शूलों की
स्थापना करके मापदण्डिता, अल्पोचर
जैसी संस्थाओं का खोला कर
करावली है।

इस हेतु परिवार, समाज व
विद्यालयों, कॉलेजों में शिक्षा के
शूल पर न बनाने की आवश्यकता
है।

कुल मिलाकर शिक्षा संस्थाएँ
न निर्दिष्ट हो करती हैं, माप
की वह शूलों को ज्ञात करने
का मापन भी है।

2. (b) Elucidate Swami Vivekananda's ideas on nationalism.

(10)

राष्ट्रवाद पर स्वामी विवेकानंद के विचारों का विशदीकरण कीजिए।

‘गोला वेदांग’ एवं सांस्कृतिक
युगजगिरण के अग्रदूत स्वामी
विवेकानंद का राष्ट्रवाद विशाल व
गहराई को समविष्ट करता है।

- स्वामीजी हमें राष्ट्रवाद को
व्यापक करते हैं तो चरित्र निर्माण,
राष्ट्र निर्माण, शरीर निर्माण के
योगदान दे करें।

- उनके राष्ट्रवाद के आधार व वाहक
‘युवा’ है। वे जागृता कर रहे हैं:-

“Arise, awake and stop not untill
goal is reached.”

- स्वामी का राष्ट्रवाद देश-काल
की सीमाओं का हल्ला नहीं है,
वह सार्वभौमिक शांति, आश्चर्य,

विश्ववाद की बात करता है।

- स्वामी ने अपनी पुस्तक लेनचर 2
अल्मोडा में कहा है कि मेरा राष्ट्रवाद
आश्रित जागरण है, जो मुला पीढी व
आली पीढी के चरित्र निर्धारित करेगा

- अतः हमें कुछ लोगों के अंधी
राष्ट्रवाद के स्थान पर स्वामीजी
का राष्ट्रवाद महत्वपूर्ण है।

इस प्रकार स्वामीजी की
देश-कोल से परे राष्ट्रवाद
अंधांधी के कल्पना विश्व की
प्रवाल, आत्मवाद जैसे अंधांधी
के भाव भावत की अंधांधा,
आधुनिकता शोषण का
अंधांधा प्रस्तुत करती है।

3. Given below are quotations of moral thinkers/philosophers. Bring out what they mean to you in the present context:

नीचे नैतिक विचारकों/दार्शनिकों के उद्धरण दिए गए हैं। स्पष्ट कीजिए कि वर्तमान संदर्भ में आपके लिए उनके क्या मायने हैं:

(a) The best way to find yourself is to lose yourself in the service of others.
Mahatma Gandhi (10)

स्वयं को खोजने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि आप स्वयं को दूसरों की सेवा में खो दें -
महात्मा गांधी

गांधीजी के अनुसार अपनी
आत्मा में 'कार्वैथीक आत्मा' का
निवास है। अतः हमारे को सेवा
से तात्पर्य अपनी आत्मा की उन्नति
ही है।

⇒ गांधीजी के अनुसार 'मानवता' की
सेवा के बल पर ही विश्व को प्रभावित
है। यह बताता है कि मानव सेवा
सर्वोच्च परंपरा है।

⇒ वर्तमान में विश्व को लगातार आर्थी
आबादी गरीबी व भुखमरी के मुका
बले हैं। भारत में 21.9% लोग गरीबी
रेखा के नीचे जीवन-यापन कर

रहे हैं। ऐसी स्थिति में गांधी का
मौवा-भूलन इनका समाधान करता है।

⇒ वल्लभभाई जलगाववादे, कटला, डेप,
भीम टिका का समाधान भी पर
सेवा में है। गांधीजी के शत्रुकार
"वैष्णव जन को उनको कहिए जो पीर
परारि जाते हैं।" वास्तव में मौवा भूलन
पर बल देता है।

⇒ जब व्यक्ति दूसरों को मौवा करता है, तो
उसे आत्म-भूलन, शक्ति बलादि की
शत्रुता होती है।

इस प्रकार परीपकार व सेवा
भूलन व्यक्ति को स्वयं की खोज
करने में सहायता करते हैं। जो
बुद्ध के 6 आत्मदीपोभव का ही
एक रूप है।

3. (b) So long as you do not achieve social liberty, whatever freedom is provided by the law is of no avail to you. B.R. Ambedkar (10)

जब तक आप सामाजिक स्वतंत्रता प्राप्त नहीं कर लेते, तब तक कानून द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता का आपके लिए कोई मायने नहीं है - डॉ. बी. आर. आम्बेडकर

बाबा साहेब आम्बेडकर स्वतंत्रता के तीनों रूपों में सामाजिक, राजनीतिक तथा आर्थिक में से सामाजिक स्वतंत्रता को अधिकतम वरीयता देते हैं।

- अगर समाज में दूआइत, जाति प्रथा, भेदभाव खत्म नहीं होता है तो अनु. 15 (धर्म, रंग, जाति, लिंग, जन्मस्थान आदि के आधार पर भेद का प्रतिषेध) तथा अनु. 17 (दूआइत का प्रतिषेध) बेइमानी मानित होगा।

- वर्तमान में ~~बिना जाति~~ / अनुसूचित जाति के लोगों की वारंश को न निकलने, भूमि में उसे शा में शेकरा इत्यादि अपमानजनक व्यवहार सामाजिक शूलानी की

गौर वक्षारा करते हैं जबकि बाह्यी
स्वतंत्रता तो कभी की मिली हुई है।

- इसके अलावा SC/ST समुदायों को
शैक्षणिक अवसरों से वंचित
करना भी इसी सामाजिक स्वतंत्रता
से वंचित करना है।

- इसी कारण बाबा साहेब आंबेडकर
“शिक्षित बनो, संगठित रहो तथा
संघर्ष करो।” का नारा देते हैं।
तबकि बाह्यी स्वतंत्रता के साथ -
साथ सामाजिक स्वतंत्रता भी
जादा है।

विवक्षितः सामाजिक स्वतंत्रता
अन्य दो प्रकार की स्वतंत्रता हेतु
आधार स्तंभ है।

4. (a) Explaining the concept of moral attitude, discuss how social media is shaping moral attitudes of people. (10)

नैतिक अभिवृत्ति की अवधारणा को समझाते हुए, चर्चा कीजिए कि सोशल मीडिया लोगों की नैतिक अभिवृत्ति को कैसे आकार दे रहा है।

अभिवृत्ति से तात्पर्य किसी व्यक्ति के निर्णय में दृष्टि पसंद-नापसंद का आधार है।

जब व्यक्ति सामाजिक माहौल में अपने सामाजीकरण के लक्ष्य शब्द - पूरे परिवर्तनों के आधार पर किसी निर्णय को लेता है तो यह नैतिक अभिवृत्ति है। यथा - पश्चात् समाज में (विशेषकर नॉर्डिक राष्ट्रों में) लैंगिक समानता की स्थापना व उस पर निर्णय।

वर्तमान में सोशल मीडिया निम्न प्रकार लोगों को नैतिक अभिवृत्ति को आकार दे रहा है:-

→ वर्तमान में 'आकांक्षी दुनिया' का क्लेवर कृत्रिम करण में सोशल

मीडिया ने युवा पीढ़ी में अंधाधुनिकता,
आवनात्मक और पैदा किया है।

- परमाणु में ऑनलाइन वीडियो गेमों
के बच्चों का बदलता स्वभाव
(दिन पाले दिन हिंसक होता स्वभाव)
शैलीक अभिवृत्ति को बदल रहा है।

- इसके अलावा सोलिंग से क्लब
की आलसता को बढ़ाकर
अभिवृत्ति को प्रभावित कर रहे हैं।

- रीडिंग और क्लब का कमजोर होना
व स्थूलता को अस्थिरता का विकास
नवीन अभिवृत्ति परिवर्तक कारक है।

कुल मिलाकर अगर मौशला
मीडिया का उपयोग अवसरानुकूल
अभिवृत्ति है तो किया जा रहा
तो बेहतर होगा।

4. (b) Analyse the importance of both influence and persuasion for effective leadership. (10)

प्रभावकारी नेतृत्व के लिए प्रभाव और अनुनय, दोनों के महत्व का विश्लेषण कीजिए।

प्रभावकारी नेतृत्व का अर्थ है कि
"जो नेतृत्व शक्ति वापकः।" अर्थात्
जो लोगों को काम लेकर चलने
की क्षमता रखता है।

इस हेतु प्रभाव तथा अनुनय
दोनों वस्तु की महत्वपूर्ण हैं।

नासि का नासिगत यदि
बतलाओं, प्रभावों को प्रभावित करता
है तो लोगों को उस नासि से
विश्वास बढ़ता है। उदा० के लिए
गांधीजी की 6 अक्षरी व करी
के सुसंगतता प्रभाव के दृष्टिकोण
से महत्वपूर्ण उदा० है।

इसके अलावा पशुपति

में रोल ब्लेडिंग जैसे तत्व महत्वपूर्ण
भागी निभाते हैं। इनकी मदद से
प्रबंधन क्षमता, संगठन क्षमता एवं
आवनात्मक प्रेरणा इत्यादि गुणों
को व्याख्यानित करती है।

वर्तमान समय में जॉन आरमोट.
का उक्त नैतिक हेतु धारणा व
अनुभव की आवश्यकता को
स्वीकार करते हैं। आवे नैतिक को
वर्तमान युवा पीढ़ी के अवालों,
निष्ठा व महत्वाकांक्षों का
ज्ञान होगा चाहिए।

इस प्रकार नैतिक से
अनुकूल वातावरण एवं उचित
प्रशिक्षण देकर युवाओं -
पल्लवित किया जा सकेगा
है।

5. (a) Analyze the significance of adopting a code of ethics for creating a healthy work culture in an organization. (10)

किसी संगठन में एक स्वस्थ कार्य संस्कृति के मृजन हेतु आचार संहिता को अपनाने के महत्व का विश्लेषण कीजिए।

आचार संहिता (code of ethics)
नैतिक मानकों का वह समुच्चय है जो
लागू के व्यवहार को शासित करता है।
इसके लिए दिशानिर्देशों के रूप में
प्रदान होकर व्यवहार करता है।

कोई संगठन कितना सफल
होगा यह उसकी कार्य-संस्कृति
पर निर्भर करेगा। इस कार्य-
संस्कृति में आचार संहिता भी ल
का पत्थर है।

अगर संगठन उत्पादक
शक्तियों को प्रभावित करता है, मूलनिष्ठा,
मोटा शक्ति इत्यादि से मंचालित
है तो एक बेहतर माहौल
संगठन को दीर्घजीवी व
शाश्वत बनाएगा।

इससे संगठन के कार्यालयों में स्वल्प भी बंधन विकसित होंगे।
फलतः संगठन की सेवाओं में, धृष्टता, मिलजपता, दक्षता एवं प्रभावशीलता दिखेगी।

संगठन पर जोर जगता का निश्चय बढेगा और बेहतर प्रतिक्रिया मिलेगा।

लेकिन यह तभी संभव है जब code of ethics के नाम code of conduct का बेहतर तालमेल हो।

कलः बेहतर कार्य संस्कृति हेतु code of ethics जरूरी है नहीं अनिवार्य है।

5. (b) Ethos, ethics, equity and efficiency are key criteria on the basis of which the competency of civil servants should be judged. Analyse. (10)

लोकाचार, नीतिशास्त्र, समता और दक्षता वे प्रमुख मापदंड हैं, जिनके आधार पर सिविल सेवकों की कार्यनिर्वाह-क्षमता का आकलन किया जाना चाहिए। विश्लेषण कीजिए।

लोक - कल्याणकारी राज्य है।
लोक सेवक महत्वपूर्ण आधार स्तंभ हैं।

इस हेतु लोकाचार, नीतिशास्त्र, समता व दक्षता सिविल सेवकों को अनिवार्य बनाते हैं।

अगर लोक सेवक सेवा-भाषा जैसे भारतीय संस्कृति के लोकाचारों से लेस होगा तो वह वीर्यहीन की का कल्याण कर पाएगा।

इसी तरह अगर उच्च नैतिक मूल्यों की भावना है तो वह निर्णयों को नैतिक दृष्टि से पालन करेगा।

इसी तरह अगर उच्च हार्दिकताकारी है तो वह गरीब -

अमीर, स्त्री-पुरुष, हिन्दू मुस्लिम, क्रिश्चियन,
इस्लामि इत्यादि के काम को
बतलाने करेगा।

आज लोक को दया है तो
वह सरकारी नीतियों को

मिलानता रूप प्रकाशित करता
से लाने कर पाएगा।

इकीलिया उपरोक्त चारों
रूपों का होगा अभिवर्तन है
लकी के लक्षणकारी वाक्य के
आदर्शों स्वतंत्रता, समता व
बहुल्य की धारणा है अकेली।

अतः एक लोकमौलिक को
अपने आधुनिक विचारों को किसी
विचार पर बसित करने चाहिए।

6. The mandatory nature of Corporate Social Responsibility goes against the notion of philanthropy. Discuss. (10)

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व की अनिवार्य प्रकृति परोपकारिता की धारणा के विरुद्ध है। चर्चा कीजिए।

कंपनी अधिनियम 2013 कंपनियों को अपने वित्त 3 वर्ष के कार्य का 2% सामाजिक कार्यों पर खर्च करना अनिवार्य बनाता है।

इसकी अनिवार्य प्रकृति परोपकारिता की धारणा के विरुद्ध जान पड़ती है। क्योंकि परोपकारिता में स्वेच्छा व समर्पण जैसे गुण होते हैं।

इसके कारण कंपनियाँ जल्दबाजी में काम का पालन दिखाने के लिए अल्लाचार; सेवा-गुणों का अभाव, फर्जी रसीद व बिलिंग का सहारा लेती हैं और CSR की गुण अवधारणा धूमिल हो जाती है।

लेकिन इसकी वरफ हमें ध्यान देना चाहिए कि 'हाइपोथेसिस' परोपकारिता पर उल्ला है कि 'अल्ला देयता'।

दिना देना, मिना देना। ⁹⁹ अमलि
दान स्रका, शक्ति व अम को देना चाहिए।

अगर CSR की प्रकृति
स्वैच्छिक बना दी तो बहुत सारी
कंपनियां इसमें लगेगी।

लेकिन स्वैच्छिकता हेतु
जरूरी है कि वैचित्त की है उचित सेवा भाव
जैसे श्रमों का विकास किया जाए।

इस हेतु लंबी प्रक्रिया व
तैयारी की जरूरत है। यह श्रम
परिवार, समाज, शैक्षणिक संस्थाओं
के माध्यम से बढ़ाना होगा
तथा समाज की मनोवृत्ति (attitude)
में सकारात्मक परिवर्तन करना होगा।

अतः CSR जैसे तो स्वैच्छिक
होना चाहिए परंतु वर्तमान
परिस्थितियों में अनिवार्य होना
तकनीक है।

7. There have been arguments that rich countries owe an obligation to people living in poor countries. In this context, discuss the issues associated with foreign aid. (10)

ऐसे तर्क दिए गए हैं कि समृद्ध राष्ट्र निर्धन राष्ट्रों में रहने वाले लोगों के प्रति दायित्वाधीन हैं। इस संदर्भ में, विदेशी सहायता से जुड़े मुद्दों की विवेचना कीजिए।

दुनिया का उत्तर-पश्चिमी विकास
समृद्ध तथा निर्धन राष्ट्रों की स्थिति
अशील है।

समृद्ध देशों ने दुनिया पर
लगातार सहायता का कार्यक्रम
देकर अपने आपको विकसित
किया। अतः उनका कर्त्तव्य है
कि वे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
द्वारा निर्धन देशों को मदद करें।

⇒ लेकिन वर्तमान समय जलवायु
परिवर्तन से निपटने हेतु विकास
व अमीर देशों का 'ग्रीन फंड'
के पैसा देने से पीछे हटना
अपने दायित्वों से बच मोड़ना है।

⇒ इसके अलावा यदि फंडिंग की
भी जाती है तो वह गरीब राष्ट्रों

की अंतर्जाला एवं अखण्डता का
उल्लंघन करती है।

⇒ कभी-कभी अंतर्राष्ट्रीय कंडिशन
मेक कामों जैसे न जाकर अलंकरण,
अलगववाद इत्यादि को बढ़ावा
में जाती है। कदांके लिए खाड़ी
देशों को द्वारा पाकिस्तान को ही
जाने वाली कंडिग।

⇒ इसके साथ-साथ अखंडता
तत्त्व देश तथा छद्म, किसी
अंतर्राष्ट्रीय अलंकरण विलक्षण
के कारण अखिल है अंक
को मुझ रहे हैं।

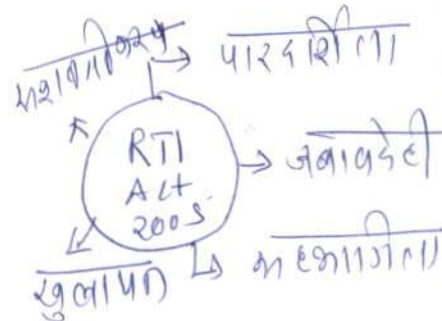
अतः कंडिग में दामिलवृद्धता,
परिपक्वता, अंतर्जाला का अखण्डता
इत्यादि शक्तों का योग्य बंधी
है।

8. It is essential that people have access to information if they are to have the capacity to exercise other rights. Discuss the statement with focus on importance of RTI in governance. (10)

यदि लोगों को अन्य अधिकारों का उपयोग करने की क्षमता प्राप्त करनी है, तो सूचना तक उनकी पहुँच होना अनिवार्य है। शासन (गवर्नेंस) में RTI के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करते हुए इस कथन की विवेचना कीजिए।

प्राप्ति सूक्ति है कि 'ज्ञान के बिना ईमानदारी कभी नहीं है और ईमानदारी के बिना ज्ञान कभी नहीं है विनाशकारी होता है।'⁹⁹

RTI Act 2005 सूचनाओं का लोकतांत्रिकरण करके आम जनता को सशक्त करता है।



ग़रीब लोगों के पास सूचनाएँ हैं तो वे अलचल भाई-भतीजावाद, अपराध - सत्ता गठजोड़, इत्यादि की जाँच तक पहुँच सकते हैं।

उदा० के लिये अगर किसी

लोगों के पास बिमान आत्महत्या मीनची,
कौकडे RT। के प्राप्त है तो वह उन कारणों
की लह लह जा केगा जहाँ हमें
पहचाना है। उन्तरदायी स्थिति है।

यही कारण है कि गवर्नर में
अगर RT। की मदद से श्रमिकों
का प्रवाह होगा तो लोग काम,
प्रशिक्षण एवं राजीनीति में लाभ
मनवाओं के बिना आवाज उठा
सकते हैं।

कुल मिलाकर मानवाधिकार,
प्रेम की स्वतंत्रता, लोकतंत्र, शांति,
आम, विकास इत्यादि की
रक्षा एवं अक्षयीकरण हेतु श्रमिकों
तक पहुँच जरूरी है।

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You have been recently appointed as the head of tourism department of a state in India that has many places of great historical importance. In the past few years, the state has witnessed a decrease in tourist inflow. Upon enquiry, you come to know that this decrease is largely attributed to the influence of touts and harassment of tourists, including unwanted advances and grossly overcharging them for various services. You also did a quick search about your state on leading travel advisory websites and found that it has earned a dubious reputation for being particularly unsafe for women tourists.

Given the situation, answer the following:

(a) Do you think that such a state of affairs can be attributed to insensitivity prevailing in the society? How can the community be made more sensitive towards tourists?

(b) Suggest some measures to make a quick turnaround in terms of reputation, employment generation and rebuild the reputation of the state as a safe haven for tourists. (20)

आपको हाल ही में भारत में ऐतिहासिक महत्व के कई स्थलों वाले एक राज्य के पर्यटन विभाग का प्रमुख नियुक्त किया गया है। विगत कुछ वर्षों में, राज्य में पर्यटकों के आगमन में कमी देखी गई है। पूछताछ करने पर, आपको पता चलता है कि इस कमी का कारण मुख्य रूप से दलालों का प्रभाव और पर्यटकों का उत्पीड़न है, जिसमें अवांछित अग्रिम एवं विभिन्न सेवाओं के लिए उनसे अत्यधिक शुल्क वसूलना सम्मिलित है। आप प्रमुख यात्रा सलाहकार वेबसाइटों पर अपने राज्य के संबंध में त्वरित खोज भी करते हैं और पाते हैं कि इस राज्य की छवि ने महिला पर्यटकों के लिए विशेष रूप से असुरक्षित होने की छवि बन गई है।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

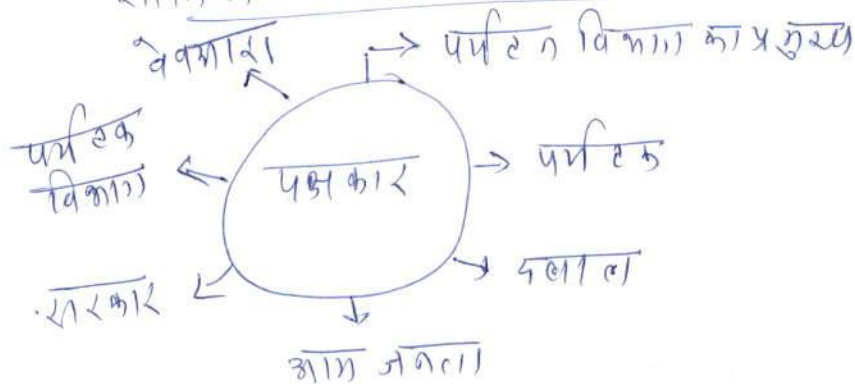
(a) क्या आप मानते हैं कि इस प्रकार की स्थिति के लिए समाज में व्याप्त असंवेदनशीलता को उत्तरदायी ठहराया जा सकता है? समुदाय को पर्यटकों के प्रति और अधिक संवेदनशील कैसे बनाया जा सकता है?

(b) प्रतिष्ठा (साख) व रोजगार सृजन के संदर्भ में त्वरित बदलाव लाने और पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित स्थल के रूप में राज्य की प्रतिष्ठा को पुनर्बहाल करने हेतु कुछ उपायों का सुझाव दीजिए।

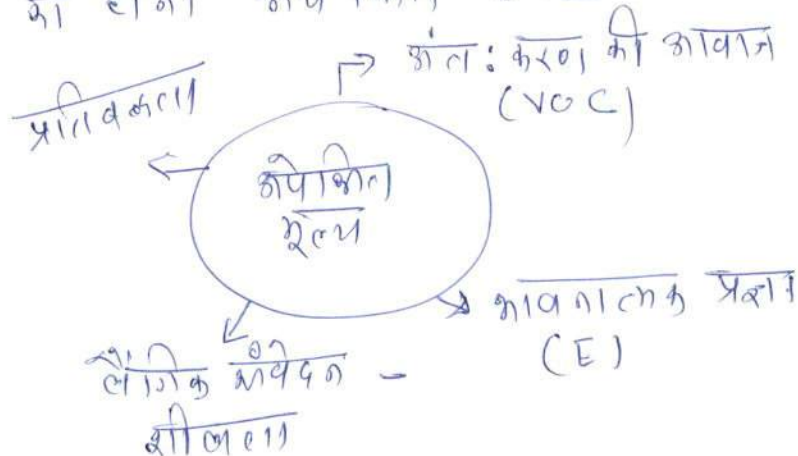
उपरोक्त केस एटसी में सारना
विश्लेषण करने पर निम्न बातें सामने
आती हैं: —

- ① पर्यटकों की संख्या में कमी ।
- ② दलालों का प्रभाव
- ③ पर्यटकों विशेषकर महिला पर्यटकों का स्पीड
- ④ अल्पाधिक शुल्क व सख्त

शासित पक्षकार इस प्रकार हैं: —



प्रश्नों के उत्तर देने हेतु निम्न
शुल्कों का होना अपेक्षित है: —



(a) (i) यह असंवेदनशीलता का ही परिणाम है कि लोग पर्यटकों के प्रति सखा व्यवहार करते हैं। लैंगिक संवेदनशीलता महिलाओं का उत्पीड़न करने के लिए जिम्मेदार है। अन्धता पर्यटक से प्राप्त लाभ तथा भोज, रोजगार इत्यादि पर ही लोग निर्भर रहते हैं।

समाज में नैतिक मूल्यों की कमी इस असंवेदनशीलता हेतु उत्तरदायी है।

(ii) अतः समुदाय को पर्यटकों के प्रति अधिक संवेदनशील निम्न प्रकार बनाया जा सकता है:-

⇒ 'अतिथि देवो भवः' की भावना का प्रचार।

⇒ पर्यटकों एवं सैल लेइंग की मदद से लोगों को समझाना कि महिलाओं के प्रति इस प्रकार का व्यवहार अक्षयनीय है।

⇒ पर्याप्त और प्राप्ता लोगों के बारे में लोगों में जागरूकता।

⇒ रक्त हेतु सौशाल नीतियां, NHP, CBOS की मदद ली जा सकती है।

⇒ प्राचीन भारतीय रीतिरिवाज की परंपरा से लोगों को परिचित करना ताकि वे पर्याप्तों के अपनी सही विराकत को समझ सकें।

(b) प्रतिष्ठा व रोजगार के सृजन के संदर्भ में त्वरित बदलाव के उपाय :-

⇒ लोगों को पर्याप्त आधारित अभियानों के विषय में समझाव।

⇒ 'अतुल्य भारत अभियान' का अहस।

⇒ इंसानों के प्रति सम्मान को आवना।

⇒ प्रभावशाली लोगों, अधिकारियों, रील नॉटिसे की मदद से प्रसिद्धि स्थापित करना।

परिणतों के लिए एक सुरक्षित स्थान
के रूप में राज की प्रतिष्ठा पुनर्काल हेतु

उपाय :-

⇒ खाद्यारण्य संरचना बना - सड़क,
पार्क, फलदार वृक्षों की व्यवस्था →
इस हेतु CSR गतिविधियों का
महारा लिता जा सकता है।

⇒ भेड़ प्रबंधन व कौशल व्यवस्था हेतु
→ पुलिस संवेदनशीलता + महिला
कॉन्स्टेबलों की ट्रेनी।

⇒ ICT बना CCTV कैमरों का प्रयोग।

⇒ गाइडों का प्रशिक्षण अभिषेक, पार्किंग
की सुरक्षा व्यवस्था।

कुल मिलाकर संवेदनशीलता,
भौतिक रूप, आधुनिक संचार तकनीक
प्रयोग इस प्रकार की समस्याओं
का समाधान प्रभावी तरीके से
कर सकता है।

10. A private company has proposed a large-scale hydel power project to tap the potential of a fast-flowing river in a state predominantly occupied by indigenous tribal groups. The state is backward and badly needs funds for socio-economic development. The state government is deliberating on the issue and is yet to take a final decision on the matter.

While the project is expected to generate substantial revenue and employment, it will submerge the surrounding areas eventually displacing the tribals. Another issue of concern is that the tribal community regards this land and the river as sacred and integral to their cultural heritage. Thus, the tribals are not in favour of going ahead with the project and are already protesting against it. Their leader has threatened to initiate a hunger strike if the government goes ahead with the project. This has caught the attention of the mainstream media and social activists.

Based on the information given above, answer the following:

- (a) Identify the stakeholders involved in the case and their respective interests.
- (b) Keeping in mind the issues involved, how can differing interests be reconciled for ensuring sustainable development in the area? **(20)**

एक निजी कंपनी ने मुख्यतः देशज आदिवासी समूहों की आबादी वाले राज्य में एक तेज बहाव वाली नदी से प्राप्य संभावनाओं का दोहन करने के लिए एक बृहद् जल विद्युत परियोजना का प्रस्ताव दिया है। यह राज्य पिछड़ा है और इसे सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु अत्यधिक धन की आवश्यकता है। राज्य सरकार इस मुद्दे पर विचार-विमर्श कर रही है और इस प्रकरण पर अभी अंतिम निर्णय लेना शेष है।

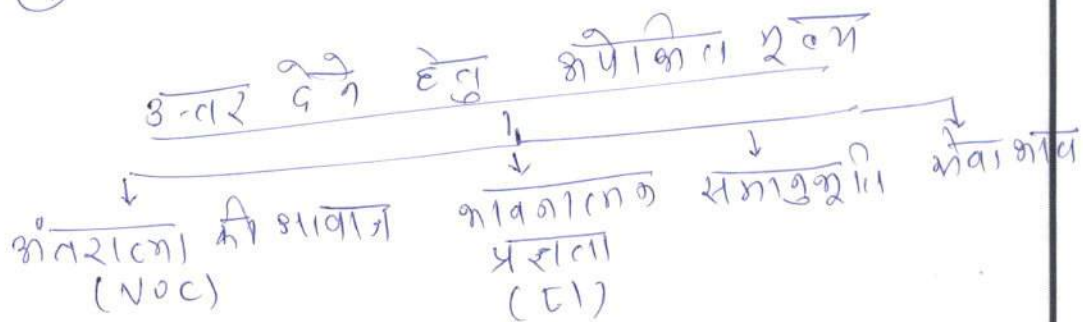
जहां इस परियोजना से पर्याप्त राजस्व और रोजगार सृजन की आशा है, वहीं इससे आस-पास के क्षेत्र जलमग्न हो जाएंगे, जिससे अंततः आदिवासियों को विस्थापित होना पड़ेगा। चिंता का एक और मुद्दा यह है कि आदिवासी समुदाय इस भूमि तथा नदी को पवित्र एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए अभिन्न मानते हैं। इस प्रकार, आदिवासी इस परियोजना को आगे बढ़ाने के पक्षधर नहीं हैं और पहले से ही इसका विरोध कर रहे हैं। उनके नेता ने सरकार द्वारा इस परियोजना को आगे बढ़ाए जाने की स्थिति में आमरण अनशन आरंभ करने धमकी दी है। इसने मुख्यधारा के मीडिया और सामाजिक कार्यकर्ताओं का भी ध्यान आकर्षित किया है।

उपर्युक्त जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

- (a) इस प्रकरण में सम्मिलित हितधारकों और उनके संबंधित हितों की पहचान कीजिए।
- (b) सम्मिलित मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, क्षेत्र में संधारणीय विकास सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न हितों के बीच कैसे समन्वय स्थापित किया जा सकता है?

उपरोक्त केस स्टडी का संक्षेप -
विश्लेषण करें पर निम्न तथ्या सामने आते हैं:-

- (1) राज्य पिछड़ा है किन्तु जल विद्युत के रूप में संभावना है।
- (2) राजस्व व रोजगार सृजन होगा लेकिन आदिवासीओं को विस्थापन, उत्पीड़न कोलना पड़ेगा।
- (3) प्रदूषितता पैदा का आंतरा अंगक्षण
- (4) मीडिया कवरेज



(a) शामिल हिलधारक एवं संबंधित हिल
इस प्रकार हैं:-

आदिवासी अनुदाय - जिनका प्रमुख जल,
जमीन, जंगल के लगाव है।

कंपनी - जो लाभ व विकास के मिश्रित
हिल की गुमांशिकी करती है।

राज्य सरकार - जिसका हित कल्याणकारी राज्य की संरचना व औद्योगिक हितों का संरक्षण के साथ-साथ विकास करना है।

नैरा - जिसका हित अपने कल्याण के लोगों के हित का संरक्षण करना है।

मीडिया व सामाजिक कार्यकर्ता - इनका हित मूल्यों का प्रकट व उत्पीड़न के विकास सदा होगा है।

(b) जहाँ शामिल होते हैं:-

① आर्थिक विकास बनाम औद्योगिक विकास

② आर्थिक विकास बनाम पर्यावरणीय संरक्षण

③ कंपनी के मजदूरों के हित बनाम व्यापारिक हित

उपरोक्त 6 मुद्दों को ध्यान में रखते हुए सैव्यारणीय विक्रम हेतु विभिन्न दिनों के बीच सम-वय :-

- 1) आदिवासीयों से जेला से कंवाद का मत करके विक्रम से प्रसूत लोगों का संग्रहण।
- 2) पीड़ितों के पुनर्वास, पुनर्स्थापना एवं सांस्कृतिक पहचान से दे-दाइ, न करने की व्यवस्था करना ।
- 3) जल विद्युत परियोजना से उत्पन्न लोगों के सर्वप्रथम आदिवासीयों को स्थिति लाभान्वित करना ।
- 4) भूमि अधिग्रहण अधिनियम 2013 से लहेल भूमि की विलोप को देना ।
- 5) पीड़ितों व नागरिक कलाज के वार्ता लोके वस्तु स्थिति से अवगत किया जा सके ।
- 6) विन्तीय लोगों को प्रभावी पीड़ितों

के खाते में स्थानांतरण करना ।
 3] रूब के अनुभवों के विषय में
 लोगों को समझाना [इस हेतु परसुराम
 का कहारा लिखा जा सकता है ।

अंशक: कलाकारों राज्य में
 सामाजिक मान्यता एक महत्वपूर्ण शक्ति
 है । रूबीनिरा विकास नीतियों में
 सामाजिक मान्यता होगा ही नहीं
 चाहिए बल्कि दिखना भी चाहिए ।

11. You are posted as Superintendent of Police (SP) in a district, which has a bustling market in the district headquarters with a high footfall. The area has traditionally been occupied by street vendors and hawkers. They form an intrinsic part of the market system in the area and derive their livelihood from it. Recently, you got reports that the policemen posted in the area harass the hawkers and also extort 'hafta' – a weekly bribe - from them despite complying with the laws. It has been brought to your notice that while those who comply with this arrangement are allowed to carry on with their daily operations, those who do not are being evicted from the market area. In the process of eviction, they are even physically assaulted and their saleable items are often confiscated and destroyed. As a result, some street vendors have been staging protests against the local administration in the market and have blocked the normal market passage. They have also threatened to intensify their protest over a period of time. The local police, however, has been in denial of any such wrong doings and argue that they are merely removing illegal encroachments, which were causing traffic jam in the area. In this situation, answer the following:

(a) Mention the stakeholders and ethical issues involved in the case.

(b) As the Superintendent of Police, what course of action would you adopt for diffusing the tensions in the area? Also, suggest some policy recommendations, which will help resolve the issues in the long-term. (20)

आप एक ऐसे जिले में पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में पदस्थापित हैं, जिसके जिला मुख्यालय में भारी आवाजाही वाला व्यस्त बाजार है। इस क्षेत्र में पारंपरिक रूप से पटरी दुकानदारों और फेरीवालों का कब्जा रहा है। पटरी दुकानदार और फेरीवाले, क्षेत्र में बाजार प्रणाली का स्वाभाविक भाग हैं तथा इससे अपनी आजीविका चलाते हैं। हाल ही में आपको सूचना मिली है कि क्षेत्र में तैनात पुलिसकर्मी कानूनों का पालन करने के बावजूद फेरीवालों को परेशान करते हैं और उनसे 'हफ्ता' (साप्ताहिक रिश्वत) भी वसूलते हैं। आपके संज्ञान में लाया गया है कि इस व्यवस्था का अनुपालन करने वाले लोगों को अपने दैनिक कार्य करने की अनुमति है, जबकि अनुपालन न करने वाले लोगों को बाजार क्षेत्र से बेदखल किया जा रहा है। बेदखली की प्रक्रिया में, यहां तक कि उन पर शारीरिक रूप से हमला भी किया जाता है और उनकी पण्य वस्तुओं को प्रायः जब्त कर लिया जाता है और नष्ट कर दिया जाता है। परिणामस्वरूप, कुछ पटरी दुकानदार स्थानीय प्रशासन के विरुद्ध बाजार में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने बाजार का सामान्य मार्ग अवरुद्ध कर दिया है। उन्होंने समय बीतने के साथ अपना विरोध और तेज करने की भी धमकी दी है। हालांकि, स्थानीय पुलिस ऐसे किसी भी गलत कार्य से इनकार करती है और तर्क देती है कि वे केवल अवैध अतिक्रमणों को हटा रहे हैं, जो क्षेत्र में ट्रैफिक जाम का कारण बन रहे थे। इस स्थिति में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

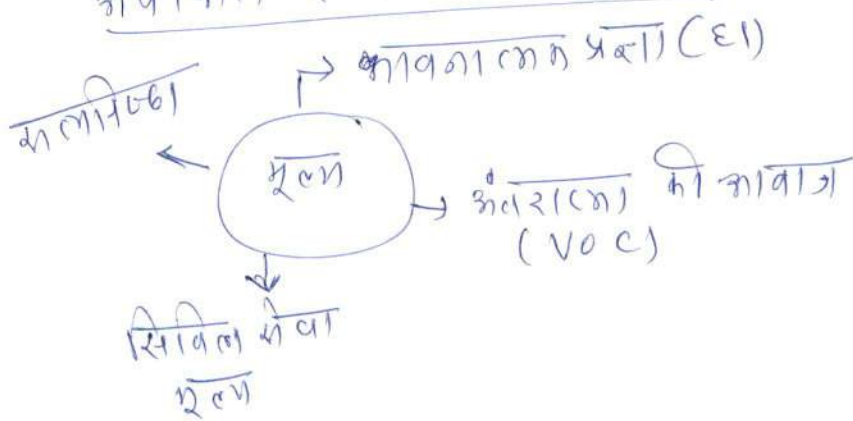
(a) इस प्रकरण में सम्मिलित हितधारकों और नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) एक पुलिस अधीक्षक के रूप में, क्षेत्र में तनाव को कम करने हेतु आप क्या कार्रवाई करेंगे? साथ ही, कुछ नीतिगत अनुशंसाओं के भी सुझाव दीजिए, जो दीर्घावधि में इन मुद्दों का समाधान करने में सहायता करेंगे।

उपरोक्त केस एंडी का समस्या
विश्लेषण इस प्रकार है: -

- (1) पुलिसकर्मी अवैध बमूली में लगे हैं।
- (2) प्रमाण नहीं होने से स्वीकार नहीं करते।
- (3) दुकानदारों का उत्पीड़न
- (4) वैयक्तिक जान की समस्या

अपैकित शून्य इस प्रकार है: -



(a) शामिल दितधारक इस प्रकार है: -

- (1) पुलिस कधीकाक (SP) जिनका कार्य
कायदा-जावदगरी कायदा रखना है।
- (2) पुलिसकर्मी जो कायदा-जावदगरी के जग
उत्पीड़न कर रहे हैं।

(3) पट्टरी दुकानदार व फेरीवाले - उत्पीड़ित व
इकोनॉमिक जाति का भी कारण

(4) अंगला - जो दुःख भठा रही है।

मैं निम्नलिखित शैतिक मुद्दे

शामिल हैं :-

- काबूत व्यवस्था बनाते हफ्ता वसूली -
एक तरफ काबूत व्यवस्था है जबकि दूसरी
तरफ उसके नाम पर हफ्ता वसूली
जारी है।

- आदिवासी हित बनाते संगठनात्मक
हैं - मही पुलिस वाले आदिवासी
जन के नाम पर उत्पीड़न कर रहे हैं।

- वैचित्त की है हित बनाते सामान्य
जनता के मुद्दे - एक तरफ पट्टरी व
फेरीवाले हैं दूसरी इकोनॉमिक जाति के
परेशान भागजगता है।

(b) पुलिस अधीकार के तौर पर तनाव

कम करने हेतु कार्यवाही

⇒ दायित्वों के विफल को दोष अलग रखकर करना। कम हेतु शौचक निरीक्षण, CCTV कैमरा इलाके का अंदर लिखा जा सकता है।

⇒ दायित्वों के विफल कार्यवाही। (पुलिसवाले)

⇒ शौचक निरीक्षण को दूरता तक प्रतिक्रिया न हो।

⇒ अलग-लग हेतु अतिरिक्त बलों को देना।

में निम्नलिखित विभिन्न अनुशंकाओं का होगा ताकि सुदृढ़ का रीतिकानिक समाधान हो सके -

1) एक लिखित नियमों का समूह।

जारी करना ताकि कार्य-केंद्र संचालित हो सके।

2] सरकारी सेवा के प्रावधानों को सुदृढ़ करना।

3] ICT (सूचना, संचार, तकनीक) का महारा।

4] आम जनता को विकसित रूप में सुकाए
देते सुनीवर्धित कार्यक्रम चलाए जा रहे
करना।

5] कानून व्यवस्था के विषय में जागरूकता
लाने हेतु गैर-सरकारी संगठन (NGOs)
कोषाल निडिया, नागरिक समाज इत्यादि
की श्रमिका।

कुल मिलाकर सांविधिक जीवन
के वास्तविक हितों के ऊपर
सदैव सांविधिक हितों को वरीयता
देनी चाहिए।

12. A mid level manager in a food and beverages firm has been assigned the responsibility to deal with tensions arising in a rural area between the firm and the local farmers. These farmers supply the company with bananas, which are used exclusively by the company in its niche products. The banana plantations are growing a variety developed by the firm. The core issue revolves around the perceived violation of company's IPR as many of the farmers in the neighbouring areas have also started growing the same variety of banana. It is suspected that the farmers with whom the company had a contract have shared the breed with others in the region. The legal department of the firm is of the opinion that a legal complaint against the farmers is the only way to protect the IPR of the company. It would also set a precedent for the future. However, many in the firm also believe that such a step would escalate the matter.

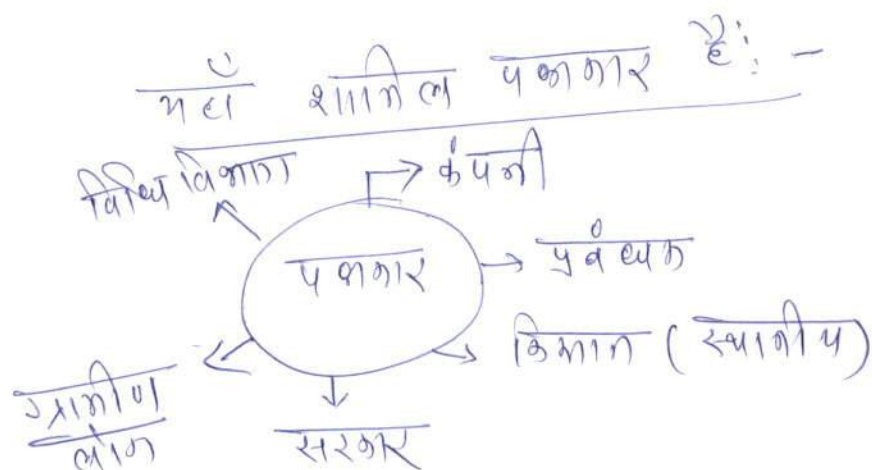
In such a scenario, identify the key issues to be addressed. What measures would you suggest to deal with these issues? (20)

खाद्य एवं पेय पदार्थ से संबंधित एक फर्म के मध्यवर्ती स्तर के एक प्रबंधक को फर्म और स्थानीय किसानों के बीच ग्रामीण क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले तनावों से निपटने का उत्तरदायित्व सौंपा गया है। इन किसानों द्वारा कंपनी को केले की आपूर्ति की जाती है, जिनका विशेष रूप से कंपनी द्वारा अपने आला (उच्च दर्जे के) उत्पादों में उपयोग किया जाता है। केले के बागानों में उक्त फर्म द्वारा विकसित एक किस्म उगायी जा रहा है। मुख्य मुद्दा कंपनी के IPR के कथित उल्लंघन के इर्द-गिर्द है क्योंकि पड़ोसी क्षेत्रों के कई किसान भी केले की यही किस्म उगाने लगे हैं। यह संदेह व्यक्त किया गया है कि जिन किसानों के साथ कंपनी का अनुबंध था, उन्होंने क्षेत्र के अन्य लोगों के साथ यह किस्म (ब्रीड) साझा की है। फर्म के विधि विभाग का विचार है कि किसानों के विरुद्ध कानूनी शिकायत ही कंपनी के IPR की रक्षा करने का एकमात्र उपाय है। यह भविष्य के लिए भी एक पूर्व उदाहरण स्थापित करेगा। हालाँकि, फर्म के कई लोगों का यह भी मानना है कि इस प्रकार के कदम से मामला और आगे बढ़ेगा।

ऐसे परिदृश्य में, संबोधित किए जाने वाले प्रमुख मुद्दों की पहचान कीजिए। इन मुद्दों से निपटने के लिए आप किन उपायों का सुझाव देंगे?

उपरोक्त केस स्टडी में
समस्या विश्लेषण करने पर निम्नांकित
तत्त्व सामने आते हैं: —

- किसानों द्वारा अनुबंध का उल्लंघन करके अन्य किसानों को फले की किरान भाँटा करना।
- कंपनी द्वारा IPR उल्लंघन का मामला उठाता
- समय + मेहनत



⑩ जहाँ प्रमुख मुद्दे इस प्रकार हैं:-

- 1) किसानों द्वारा कंपनी के सौदिक संपदा अधिकारों (IPR) का उल्लंघन
- 2) कंपनी द्वारा कृषि कार्यवाही की धमकी
- 3) कृषि प्रतियोगिता का स्पष्ट न होना
- 4) किसान कलामा की सुनौली

इस मुद्दों से निपटने हेतु
निम्न सुझाव हैं: -

⇒ UPR आवेष्टित किसानों के देशी
कृषकों के उपयोग करने का अधिकार
और ऐसी उल्लंघन को गायब
देना है तथा आगामी अवसर
पर किसानों के इस अधिकार
में किसानों के पक्ष में
निर्णय दिया है।

⇒ कृषि लाभ हेतु ऐसी सुझाव
दी जा सकती है। ऐसी
परी के विधि विभाग को
समझाना व गैर आँकड़ों
की वापिस देना।

⇒ किसानों को समझाना कि
वे इस पैले की किल्ल का

अल्प वाणिज्यिक लाभ किसी को न देते
विशेषकर व्यावसायिक इकाइयों को ।

⇒ अल्प का उनके खिलाफ सरका
कार्रवाई की जायेगी ।

⇒ इस हेतु NGRS, मोरारजी मजूमदार,
मीडिया की मदद से जनजागरण
चलायी जाये ।

कुल मिलाकर समावेसी
विकास की मंजूरता व IPRS
मुद्दों के मांजूर्य की जायेगी ।

13. You have recently been posted as a probationary officer in the District Magistrate's office in a tribal district. During one of the fieldtrips, while interacting with the tribals, you come to know about a private company, established a few years back, which has transformed their lives. The company, using the traditional knowledge of tribals, had launched a series of products and provided numerous livelihood opportunities to the tribals.

Upon further enquiry, you come to know that while the lives of tribals had indeed improved, the distribution of profits however, has been quite disproportionate. The company has seen a huge growth in its operations and its owners have amassed huge wealth. It is also planning to file for IPR, which may further hinder the interests of the tribals.

You feel that tribals have been left short changed and there has not been an equitable sharing of benefits arising out of the use of their resources. When you tried to approach the Gram Sabha and voice your concerns, the tribals requested you not to intervene as they do not have any alternatives. They also argue that governments in the past have failed to protect their interests.

Given the situation, answer the following:

(a) Identify the different stakeholders and their interests involved in this case.

(b) Present a case to convince the District Magistrate for the need of government intervention in the situation. **(20)**

आपको हाल ही में एक जनजातीय जिले में जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में एक परिवीक्षाधीन अधिकारी के रूप में पदस्थापित किया गया है। एक क्षेत्र भ्रमण के दौरान, आदिवासियों से बातचीत करते हुए, आपको कुछ वर्ष पूर्व स्थापित एक निजी कंपनी के बारे में पता चलता है, जिसने उनके जीवन का कायापलट कर दिया है। आदिवासियों के पारंपरिक ज्ञान का उपयोग करते हुए, कंपनी ने उत्पादों की एक शृंखला आरंभ की थी और आदिवासियों के लिए आजीविका के कई अवसर उपलब्ध कराए थे।

अधिक पूछताछ करने पर, आपको पता चलता है कि जहां आदिवासियों के जीवन में वास्तव में सुधार हुआ है, वहीं लाभ का वितरण अत्यंत असंगत (अननुपातिक) रहा है। कंपनी के परिचालनों में भारी वृद्धि देखी गई है और इसके स्वामियों ने अत्यधिक धन-संपत्ति अर्जित की है। कंपनी IPR भी फाइल करने की योजना बना रही है, जो आदिवासियों के हितों में आगे बाधक भी बन सकता है।

आप अनुभव करते हैं कि आदिवासियों को वंचित रखा गया है और उनके संसाधनों के उपयोग से उत्पन्न होने वाले लाभों का एक समान बंटवारा नहीं हुआ है। जब आपने ग्राम सभा से संपर्क करने और अपनी चिंताओं से उन्हें अवगत कराने का प्रयास किया, तो आदिवासियों ने आपसे हस्तक्षेप न करने का अनुरोध किया, क्योंकि उनके पास और कोई विकल्प नहीं है। उनका यह भी तर्क था कि अतीत में सरकारें उनके हितों की रक्षा करने में विफल रही हैं।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में सम्मिलित विभिन्न हितधारकों और उनके हितों की पहचान कीजिए।

(b) इस स्थिति में सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता है, जिला मजिस्ट्रेट को यह समझाने हेतु प्रकरण प्रस्तुत कीजिए।

(a) शामिल दिल प्यार के रूप में उल्लेख है।

(1) शामिल की - जिसका दिल जल, गमीन, जीवन से जुड़ा है।

(2) अपनी - जो लाभ पर कार्यरत है।

(3) जिला मजिस्ट्रेट (पारिवर्तिकाधीन) का दिल न लम्बानकारी राज्यों व वैधिल वगैरे दिलों की रक्षा करना है।

(4) ग्राम कला - जो शामिल की कला वगैरे की रक्षा करती है।

(5) सरकार - जिसका दिल नागरिकों का कल्याण करना है।

(b) इस स्थिति में सरकारी हस्तक्षेप
द्वारा जिला मजिस्ट्रेट को समझाने हेतु
प्रस्ताव

⇒ यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी के
का के करी पहली जिम्मेदारी यह
है कि अपने वारिष्ठ अधिकारी
को सूचित करें।

⇒ एक विस्तृत रिपोर्ट (PPR)
बनाकर (होम सुबलों के माध्यम से)
समर्पित करें।

⇒ आदिवासी क्षेत्रों में जाग-सूचना
फैलाने हेतु उनके ऐसे वारिष्ठ
नेता को मान्य होगा जो सरकारी
नीतियों को समझा सकता है।

⇒ कंपनी अधिक में खोली जा
एवं परंपरा का अनुचित पैटर्न
न करा ले इस हेतु आदिवासी
नेता के बालबोध ।

⇒ पारंपरिक साग एवं डिजिटल
बाइब्रेरी पहल के लिए
में जागरूकता ।

⇒ कंपनी के लिखित में आश्वासन
लेना कि वह लोगों के अधिकारों
का दुरुपयोग न करे ।

⇒ सरकारी योजनाओं में भाग
अच्छाचार एवं लीकेज रोककर
(इस हेतु DBT) आदिवासी
संस्था का विश्वास जीतना ।

⇒ उन्होंने इस भावना को जतना कि सरकार
आपके कल्याण हेतु कामरत है।

⇒ धारणा परिवर्तन हेतु आभेष्टि
नियंत्रिका का बखाना न।

इस प्रकार उपरोक्त
पुस्तक अनुरा का अनुरा
से समायान करता है।

14. Various studies have found out that cases of depression and mental illness have increased exponentially in the recent past. Also, in the age group of 15-30 years, this problem is further pronounced. Furthermore, the rising trend of suicides in this age group has been attributed to depression.

Given the situation, answer the following questions:

(a) Present an ethical critique of the prevalent societal attitude towards mental illness.

(b) Given the magnitude of the problem among younger generation/young adults, analyse the role of the following:

i. Parenting

ii. Social Media

iii. Video Games

(20)

विभिन्न अध्ययनों से पता चला है कि हाल के दिनों में अवसाद और मानसिक रोगों के मामले तेजी से बढ़े हैं। साथ ही, 15-30 वर्ष के आयु वर्ग में, यह समस्या और स्पष्ट है। इसके अतिरिक्त, इस आयु वर्ग में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति के लिए अवसाद को उत्तरदायी ठहराया गया है।

इस स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) मानसिक बीमारी के प्रति प्रचलित सामाजिक अभिवृत्ति की नीतिशास्त्रीय आलोचना प्रस्तुत कीजिए।

(b) युवा पीढ़ी/युवा वयस्कों के मध्य इस समस्या की भयावहता को देखते हुए, निम्नलिखित की भूमिका का विश्लेषण कीजिए:

i. परवरिश (Parenting)

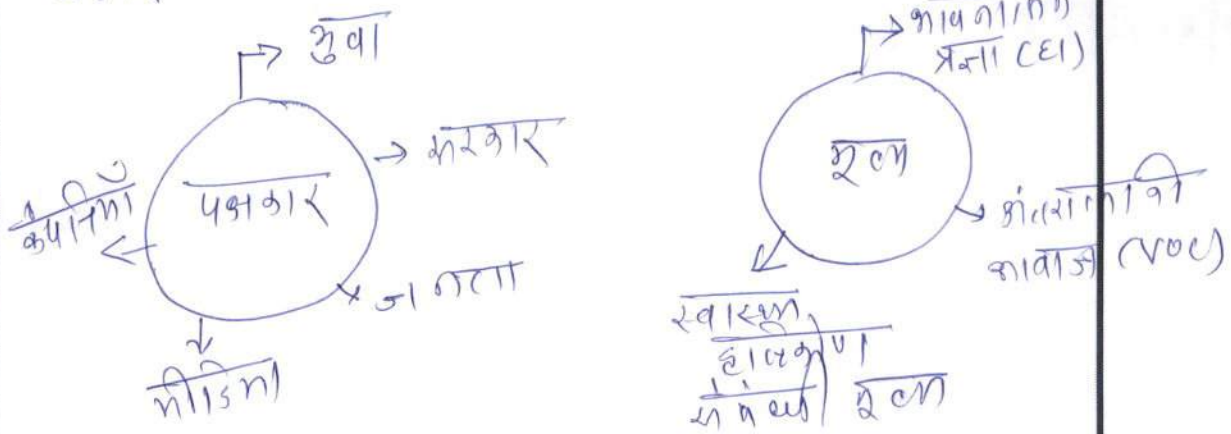
ii. सोशल मीडिया

iii. वीडियो गेम

उपरोक्त केस स्टडी में
समस्या विश्लेषण करने पर
निम्न लक्ष्य सामने आते हैं:-
① अवसाद व मानसिक रोगों में तीव्र वृद्धि।
② युवा वर्ग (15-30 वर्ष) के आपक
समस्या।

③ माध्यमता की प्रवृत्ति के दून् में अवकाश ।

जहाँ आपनेल पक्षकार व अपेक्षित
दून् (समस्या समाधान के हेतु) इस
प्रकार है:-



(a) समाज में आत्मिक नीतिरिक्त
के प्रति प्रतिक्रिया: नकारात्मक कारकिर्दी
पायी जाती है।

इसे धर्म, अध्यापिकाओं रक्षा
के जोड़कर देखा जाता है।

जबकि अन्य ली गह है कि

इन्के पीछे निकल जीवनशैली, अस्वस्थ
स्वास्थ्य एवं आधुनिक विचार
जिम्मेदार है ।

इसीलिए इनका समाधान
उपरोक्त के विचार व उपचार
में बिना है ।

इसीलिए पर्युशान व शैल
लैडिंग रत्नादि के माध्यम से
सांसायिक कार्बोहाइड्रेट में परिवर्तन बिना
जा सकता है ।

(b) (i) परिवार - अगर बच्चों को
~~परिवार~~ परिवार में माता-पिता
द्वारा 'बाल मनोविज्ञान' को
कमजा जाएगा तो वे अवसाद
व मानसिक बीमारियाँ नहीं होती ।

माता-पिता का कामकाजी होगा
तथा बच्चों के लिए कम समय

मिशाल पाता बच्चों को विकृत मानसों
की तरफ मोड़ देता है।

फलतः वे अवसाद व मानसिक
असुविधाओं से ग्रस्त हो जाते हैं।

(11) सोशल मीडिया - वर्तमान मोबाइल

मीडिया पर्व रही, डिजिटल जेन
(एडू एडल जेन, पबजी, मोको प्रैक्टिस)
इत्यादि से बच्चों को ड्रिगल,
अवसाद वगैरह होता है।

प्राथमिक रूप से शारीरिक
खेलों के स्थान पर सोशल
मीडिया कब्जा आगे बढ़ा
जो 'वर्चुअल दुनिया' में

ले जाकर बच्चों को अवसाद
व मानसिक बीमारियों में डेरा
रहा है।

(iii) वीडिओ गेम - इसकी मदद से बच्चे
हैमक व अलग-अलग खेली जीवन जी
रहे हैं। हाल ही में पबजी खेलने
से मना करने पर एक बच्चे द्वारा
अपने पिता की हत्या कर देना
मानसिक बीमारी नहीं तो भय
क्या है।

ये बच्चों को अवसादित
कर रहे हैं।

अतः वर्तमान अवसरों
में बच्चों को लंबी दूर
मिला जा
सकता है, साथ
अन्य
बच्चों के साथ, नए विज्ञान
मिला जा रहा है।